पाठ 13. काबुलीवाला

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों में तनाव से निपटने का कौशल विकसित करना है ताकि उनमें अपनी तथा दूसरों की भावनाओं के प्रति समझ पैदा हो सके। काबुलीवाला, नाम रहमत्, अफगानिस्तान से यहाँ कलकत्ते (कोलकाता) में मेवे बेचने ही आता हो ऐसी बात नहीं। सौदागिरी अपनी जगह है और किसी और की बच्ची में अपनी बच्ची को महसूस करना अपनी जगह। काबुलीवाले ने छोटी मिनी को जी भर दुलारा और वक्त ने अचानक करवट बदली। काबुलीवाले को जेल हो गई। आठ बरस बाद वह लौटा तो मिनी की शादी का दिन था। काबुलीवाले को अपनी बेटी की भरसक याद आई। यह कहानी वात्सल्य और स्मृति-सुख की कहानी है।

पाठ का सार

कहानी के प्रारंभ में मिनी अपने पिता से बाल-सुलभ प्रश्न करती है। वह मज़े में है। उसके कारण पूरा घर चहक रहा है। गली से काबुलीवाले का गुज़रना, मिनी का उसे, 'ओ काबुलीवाले' कहकर आवाज़ लगाना। काबुलीवाले के पास आने पर मिनी का उससे डर के कारण दूर भागना, यह सब कहानी को आगे बढ़ाता है। काबुलीवाले ने मिनी की झोली में मेवे नहीं, प्यार भर दिया।

काबुलीवाले का स्वभाव भावुक है। किसी बात पर तनातनी हो गई और काबुलीवाले ने मिनी के पड़ोसी को छुरा मार दिया। काबुलीवाले को पुलिस पकड़कर ले जा रही है। वह घबराया हुआ नहीं है। मिनी से उसका संवाद इस स्थिति में भी होता है।

कहानी में वर्षों का अंतराल आता है। लेखक काबुलीवाले को भूल-सा जाता है। काबुलीवाला जेल से लौटकर लेखक के घर आता है। आज मिनी का विवाह है लेकिन तो भी काबुलीवाले से उसका मिलना होता है। काबुलीवाला उसे देखकर अपनी बेटी की याद में खो जाता है। लेखक उसकी भावना को समझ जाता है। वह काबुलीवाले को कुछ रुपये देकर उसे अपने देश लौटने की सलाह देता है।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  कहानी का वाचन करें और बच्चों से करवाएँ। मिनी और काबुलीवाले के बीच हुए वार्तालाप को दो बच्चों से अभिनय के रूप में प्रस्तुत करने को कहा जा सकता है। वर्तमान समय में भी फ़ेरीवाले गली-मोहल्ले में चक्कर लगाते हैं। उनके बारे में बच्चों के संस्मरण सुनें। फ़ेरीवाले तरह-तरह की आवाज़ें लगाते हैं, उनके बारे में उनके अनुभव व प्रतिक्रिया सुनें। काबुलीवाले की चारित्रिक विशेषताओं के बारे में प्रश्न पूछे जा सकते हैं।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों, पहेलियों, पठित परिच्छेद** व **पाठ आधारित प्रश्नों** के अध्यापन संकेत हेतु **पृष्ठ संख्या 65** देखें।
  - **भाषा आधारित प्रश्नों** का उद्देश्य हिंदी भाषा के व्याकरण-पक्ष को सुदृढ़ करना है।

- ❖ बच्चे साधारण वाक्य व प्रश्नवाचक वाक्य से परिचित हो चुके हैं। अब उन्हें निषेधात्मक वाक्य की परिभाषा बताएँ और कुछ उदाहरण देकर समझाएँ।
- ❖ तत्सम और तद्भव की परिभाषा से बचते हुए बच्चों को समझाएँ कि कुछ शब्द संस्कृत से अपने मूल रूप में हिंदी में आए हैं और उनके रूप बदलकर हिंदी पर्याय शब्द भी बने हैं।
- ❖ मुहावरों के अर्थ लिखने में बच्चों की सहायता करें। 'मुँह' और 'आँख' से संबंधित कुछ अन्य मुहावरे बताएँ।

◗ क्रियाकलाप के लिए संकेत

- ❖ शहरों में अनजान व्यक्ति कई बार मेल-जोल बढ़ाकर अपराधिक घटना कर डालते हैं। इस ओर बच्चों का ध्यान आकृष्ट करें।
- ❖ अफ़गानिस्तान से संबंधित एक दुखद घटना है–विमान अपहरण कांड। इस कांड में नेपाल से आ रहे विमान का अपहरण लखनऊ पहुँचने से पहले कर लिया गया था और उसे अफ़गानिस्तान ले जाया गया था। इस कांड का संक्षिप्त परिचय बच्चों को दें।